।।ओ३म्।।

चतुर्दश अध्याय

महर्षि दयानन्द सरस्वती कब और कहाँ ?
(समय और घटना चक्र)

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
१	जन्म "टंकारा" (गुजरात)	-	गुरुवार	२.१.१८२४	भादों सुदी ९, १८८१
२.	यज्ञोपवीत संस्कार	८	-	१८३१	१८८८
३.	देवनागरी भाषा व वेदपाठ आरम्भ	१०	-	१८३३	१८९०
४	शिवरात्रि को चूहे की घटना	१४	-	१८३७	१८९४
५.	छोटी बहन का स्वर्गवास	१६	-	१८३९	१८९६
६.	विद्वान चाचा की मृत्यु	१९	-	१८४२	१८९९
७.	विवाह की तैयारी	२०	-	१८४३	१९००
८.	गृह त्याग	२२	-	१८४५	वैशाख सुदी १९०२
९.	सन्यास की दीक्षा ली	२३	-	१८४७	१९०४
१०.	योगी जनों की खोज	२९	-	१८५४	१९११
११.	हरिद्वार कुम्भ मेले मे	३०	शनिवार	११.४.१८५५	१९१२
१२.	मिर्जापुर से काशी पहुँचे	३२	सोमवार	१५.१.१८५६	१९१३
१३.	चाण्डालगढ़ के दुर्गा मन्दिर मे	३२	बुधवार	१.१०.१८५६	आसोज सुदी २, १९१३
१४.	नर्मदा उद्गम की ओर	३२	गुरुवार	२६.३.१८५७	चैत्रसुदी १९१४
१५.	गुरु विरजानन्द से शिक्षा आरम्भ	३५	शनिवार	१४.११.१८६०	कार्तिक सुदी २, १९१७
१६.	मथुरा से आगरा को प्रस्थान	३७	-	१२.५.१८६३	१९१९

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
१७.	सन्ध्या की पुस्तक लिखकर वितरित की	३९	-	१८६४	१९२१
१८.	धौलपुर पहुँचे	४०	-	१८६४	१९२१
१९.	धौलपुर से लश्कर पहुँचे	४०	-	२४.१.१८६५	१९२१
२०.	ग्वालियर में निवास	४१	-	७.५.१८६५	वैशाख सुदी १२, १९२२
२१.	जयपुर में ठहरे	४२	-	१५.१०.१८६५	फागुन बदी १९२२
२२.	पुष्कर मेले में शास्त्रार्थ	४२	-	३.३.१८६६	फागुन सुदी १९२२
२३.	अजमेर पहुँचे	४२	-	३०.५.१८६६	द्वितीय ज्येष्ठ बदी १९२३
२४.	जयपुर में निवास	४३	-	८.१०.१८६६	आधे आसोज १९२३
२५.	लार्ड लारेंस के दरबार आगरा में भाषण	४३	प्रवि०	१.११.१८६६	कार्तिक बदी ९, १९२३
२६.	गुरु जी से अन्तिम विदाई	४३	-	२०.११.१८६६	कार्तिक बदी ९, १९२३
२७.	मेरठ में गोरक्षा पर भाषण	४३	-	१०.१.१८६७	पौष सुदी १९२३
२८.	हरिद्वार को प्रस्थान	४३	-	१२.३.१८६७	फागुन सुदी एकादशी १९२३
२९.	हरिद्वार में पाखण्ड खण्डनी पताका फहराई	४३	-	१७.३.१८६७	फागुन सुदी पूर्णिमा १९२३
३०.	[illegible], सोरों, कर्णवास, रामघाट व फर्रुखाबाद में	४३	-	२२.५.१८६७	१९२४
३१.	ककोड़ा मेले में	४४	-	२७.१०.१८६८	१९२४
३२.	शाहबाजपुर में गुरु विरजानन्दजी के स्वर्गवास का समाचार मिला	४४	-	१४.११.१८६८	आसोज बदी १३, १९२४
३३.	फर्रुखाबाद में	४४	-	३०.११.१८६८	१९२५
३४.	पुनः फर्रुखाबाद में	४४	-	१८.३.१८६९	चैत्र सुदी १९२५
३५.	कन्नौज में	४४	-	१३.५.१८६९	-
३६.	कानपुर पहुँचे	४४	-	१५.५.१८६९	-

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
३७.	हलधर ओझा से शास्त्रार्थ	४४	–	१५.८.१८६९	चैत्र सुदी १९२६
३८.	रामनगर में रामलीला मंच पर भाषण	४५	–	२१.९.१८६९	"
३९.	काशी में दुर्गाकुण्ड व आनन्दबाग में निवास	४५	रविवार	२२.१०.१८६९	"
४०.	काशी शास्त्रार्थ	४५	मंगलवार	१६.११.१८६९	कार्तिक सुदी १२, १९२६
४१.	इलाहाबाद कुम्भ मेले में	४५	बुधवार	१२.१.१८७०	माघ, १९२६
४२.	फर्रुखाबाद में यज्ञोपवीत दिये	४५	गुरुवार	१५.५.१८७०	ज्येष्ठ वदी १०, १९२७
४३.	कासगंज, छलेसर, कर्णवास आदि स्थानों पर भ्रमण	४५	–	१५.२.१८७२	फागुन वदी ८, १९२८
४४.	काशी में	४७	शनि० से मंगल०	१.३.१८७२	फागुन वदी ६, १९२८
४५.	काशी से प्रस्थान	४७	बुधवार	१६.४.१८७२	चैत्र सुदी ९, १९२९
४६.	डुमराऊँ में	४७	शुक्रवार	१९.४.१८७२	चैत्र सुदी ११, १९२९
४७.	पटना में	४७	शुक्रवार	७.९.१८७२	भादों सुदी ४, १९२९
४८.	मुंगेर आदि स्थानों पर भ्रमण	४८	बृह०	४.१०.१८७२	आश्विन सुदी २, १९२९
४९.	भागलपुर एवं अन्य निकटस्थ स्थानों पर	४८	शनिवार	२०.१०.१८७२	कार्तिक वदी ४ १९२९
५०.	कलकत्ता पधारे	४८	सोमवार	१६.१२.१८७२	पौष वदी १,१९२९
५१.	ठाकुर देवेन्द्रनाथ जी के यहाँ भाषण	४८	मंगलवार	२०.१.१८७३	माघ वदी ८, १९२९
५२.	हुगली शास्त्रार्थ	४८	–	८.४.१८७३	चैत्र सुदी ११, १९३०
५३.	भागलपुर में व्याख्यान	४८	बृह०	१६.४.१८७३	वैशाख सुदी ६, १९३०
५४.	भागलपुर में ही निवास	४८	शुक्रवार	१०.४.१८७३	"

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
५५.	पटना आये और प्रचार किया	४८	रविवार	१८.५.१८७३	ज्येष्ठ बदी ६, १९३०
५६.	छपरा नगर में	४८	रवि० व मंगल०	२५.५.१८७३	ज्येष्ठ सुदी ८, १९३०
५७.	दानापुर शहर में	४८	बुधवार	१०.६.१८७३	-
५८.	आरा और उसके समीपस्थ स्थानों पर	४८	गुरुवार	११.६.१८७३	आषाढ़ बदी ६, १९३०
५९.	डुमराऊँ में	४८	रविवार	२७.७.१८७३	आषाढ़ बदी २, १९३०
६०.	मिर्जापुर, काशी और इलाहाबाद में रहे	४८	शुक्रवार	९.८.१८७३	श्रावण सुदी १५, १९३०
६१.	कानपुर में निवास	४९	-	२०.१०.१८७३	"
६२.	फर्रुखाबाद में निवास	४९	-	२०.११.१८७३	"
६३.	कासगंज आदि स्थानों पर	४९	-	१०.१२.१८७३	"
६४.	छलेसर में ठा० मुकुन्दसिंह के यहाँ	४९	-	१९.१२.१८७३	"
६५.	अलीगढ़ और वृन्दावन में	४९	-	२५.१२.१८७३	"
६६.	ठा० मुकुन्दसिंह के साथ हाथरस में	४९	गुरुवार	२.१.१८७४	माघ सुदी १९३०
६७.	वृन्दावन में शास्त्रार्थ नहीं हुआ	४९	रविवार	२६.२.१८७४	चैत्र सुदी १२, १९३०
६८.	मथुरा व्याख्यान में चौबों का हमला	४९	-	१९.३.१८७४	चैत्र सुदी २, १९३१
६९.	छलेसर पाठशाला में निवास	४९	शनिवार	२०.३.१८७४	चैत्र सुदी ३, १९३१
७०.	काशी में पाठशाला का स्थानान्तरण	४९	-	१.६.१८७४	"
७१.	उलूपी बाग, इलाहाबाद में सत्यार्थ प्रकाश पूर्ण किया	४९	शनिवार	१/७.१८७४	आषाढ़ बदी २, १९३१
७२.	पंचवटी, नासिक व जबलपुर में	५०	"	१०.१०.१८७४	- - -
७३.	बम्बई में आर्य समाज खोलने का प्रयास	५०	सोमवार	२६.१०.१८७४	कार्तिक बदी १, १९३१
७४.	आर्य समाज की स्थापना हेतु हस्ताक्षर कराये	५०	-	२४.११.१८७४	कार्तिक बदी १, १९३१

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
७५.	अहमदाबाद में	५०	–	१.१२.१८७४	कार्तिक बदी
७६.	राजकोट: गवर्नर के दरबार में	५०	बुधवार	३१.१२.१८७४	पौषबदी ७, १९३१
७७.	अहमदाबाद	५०	सोमवार	१८.१.१८७५	पौष सुदी १९३१
७८.	अहमदाबाद से प्रस्थान	५०	शुक्रवार	२२.१.१८७५	पौष सुदी पूर्णिमा १९३१
७९.	पुन: बम्बई में	५०	शनिवार	२९.१.१८७५	माघ बदी ८, १९३१
८०.	बम्बई गिरगांव में, आर्यसमाज की स्थापना	५०	"	१०.४.१८७५	चैत्र सुदी पंचमी १९३२
८१.	पूना में १५ प्रवचन	५०	रविवार	४.७.१८७५	आषाढ़ बदी १९३२
८२.	पुन: बम्बई में	५०	बुधवार	१.९.१८७५	भादों सुदी २, १९३२
८३.	बम्बई से प्रस्थान	५१	–	५.४.१८७६	बैसाख सुदी १९३३
८४.	फर्रुखाबाद में	५१	–	३.५.१८७६	ज्येष्ठ बदी १, १९३३
८५.	काशी पहुँचे	५१	–	६.५.१८७६	ज्येष्ठ सुदी ४, १९३३
८६.	काशी से प्रस्थान	५१	–	१४.८.१८७६	भादों बदी १०, १९३३
८७.	जौनपुर में	५१	मंगल०	१५.८.१८७६	भादों बदी ११, १९३३
८८.	अयोध्या में प्रवेश	५१	शुक्रवार	१८.८.१८७६	भादों बदी १४, १९३३
८९.	ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका का लेखन कार्य आरम्भ	५१	रविवार	२०.८.१८७६	भादों शुक्ल १, १९३३
९०.	लखनऊ पधारे	५१	शुक्रवार	२५.९.१८७६	भादों सुदी ६, १९३३
९१.	लखनऊ (हुसैनगंज) में ऋग्वेद आदि भाष्यभूमिका लिखते रहे	५२	शनिवार	३०.९.१८७६	आश्विन बदी ११, १९३३

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
९२.	शाहजहाँपुर में व्याख्यान	५२	बुधवार	१.११.१८७६	कार्तिक सुदी १९३३
९३.	बरेली में लक्ष्मी नारायण की कोठी पर निवास	"	मंगल०	७.११.१८७६	मंगसिर सुदी ५, १९३३
९४.	कर्णवास पहुँचे	"	सोमवार	१.१२.१८७६	मंगसिर सुदी १५, १९३३
९५.	छलेसर में कई दिनों तक रहे	"	शुक्रवार	४.१२.१८७६	मंगसिर सुदी ३, १९३३
९६.	दिल्ली दरबार के लिए छलेसर से प्रस्थान	"	बुधवार	१६.१२.१८७६	मंगसिर सुदी १, १९३३
९७.	दिल्ली के अनार बाग में ठहरे	"	रविवार	२०.१२.१८७६	पौष सुदी ५, १९३३
९८.	दिल्ली दरबार में सर्वोच्च स्थान प्राप्त	"	सोमवार	१.१.१८७७	माघ बदी १, १९३३
९९.	मेरठ नगर में आये	"	मंगल०	१६.१.१८७७	माघ सुदी १, १९३३
१००.	सहारनपुर में कन्हैयालाल के शिवालय पर ठहरे	"	बृह०	४.३.१८७७	चैत बदी २, १९३३
१०१.	चान्दापुर (शाहजहाँपुर) मेले में	"	रविवार	१५.३.१८७७	चैत सुदी १, १९३४
१०२.	चान्दापुर शास्त्रार्थ	"	बृह०	१९.३.१८७७	चैत्र सुदी ४, १९३४
१०३.	शाहजहाँपुर में प्रवचन	"	शुक्रवार	२०.३.१८७७	चैत्र सुदी ५, १९३४
१०४.	सहारनपुर में पहुँचे	"	शनिवार	२१.३.१८७७	चैत्र सुदी ६, १९३४
१०५.	लुधियाना में लालाजी जटमल के यहाँ निवास	"	बुधवार	३१.३.१८७७	बैसाख बदी १, १९३४
१०६.	मिर्जा मुहम्मदजान की कोठी ४० रु० मासिक किराये पर ली	"	गुरुवार	१.४.१८७७	बैसाख

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
१२४	रावलपिण्डी में	५३	सोमवार	३०.१२.१८७७	मंगसिर बदी ९, १९३४
१२५.	झेलम में पधारे तथा अमीचन्द का उद्धार किया	"	रविवार	३१.१२.१८७७	पौष बदी ८, १९३४
१२६.	गुरदासपुर होकर आये	"	शनिवार	१३.१.१८७८	माघ बदी ४, १९३४
१२७.	वजीराबाद गये तथा वहाँ से गुजरात होकर आये		शुक्रवार	२.२.१८७८	माघ सुदी १५, १९३४ (दो माघ थे)
१२८.	गुजरांवाला पहुँचे	"	गुरूवार	७.२.१८७८	माघ सुदी ५, १९३४
१२९.	गुजरावाले के एक गिरजाघर में व्याख्यान	"	मंगल०	१९.२.१८७८	फागुन बदी २, १९३४
१३०.	मुल्तान आर्यसमाज में होते हुए लाहौर पहुँचे	"	शनिवार	४.४.१८७८	चैत्र सुदी ११, १९३५
१३१	अमृतसर से रूड़की के लिए प्रस्थान	"	–	१९.७.१८७८	१९३५
१३२.	सहारनपुर आये	"	–	२०.७.१८७८	१९३५
१३३.	रूड़की आये तथा लाला शम्भूनाथ के बगले पर निवास	"	–	२५.७.१८७८	१९३५
१३४.	रूड़की में आर्यसमाज स्थापित	"	–	२०.८.१८७८	१९३५
१३५.	अलीगढ़ पहुँचकर आफताबराय राय के बागीचे में निवास	"	–	२२.८.१८७८	१९३५
१३६.	मेरठ नगर में	"	–	२५.८.१८७८	१९३५
१३७.	मेरठ में आर्यसमाज स्थापित की	५४	–	१९.९.१८७८	१९३५
१३८.	देहली पधारे	५४	–	३.१०.१८७८	१९३५
१३९.	देहली में आर्यसमाज स्थापित की	"	–	१.११.१८७८	१९३५

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
१४०.	अजमेर पहुँचे	५४	गुरुवार	७.११.१८७८	कार्तिक शु० १४, १९३५
१४१.	पुष्कर मेले में	"	शुक्रवार	८.११.१८७८	कार्तिक शु० १५, १९३५
१४२.	पुनः अजमेर में आकर भाषण दिये	"	गुरुवार	१४.११.१८७८	१९३५
१४३.	सती प्रथा के विरोध में भाषण	"	शुक्रवार	२२.११.१८७८	१९३५
१४४.	मसुदा पहुँचे	"	बृह०	२९.११.१८७८	१९३५
१४५.	नसीराबाद में व्याख्यान दिया	"	मंगल०	१०.१२.१८७८	पौष बदी १, १९३५
१४६.	रिवाड़ी के आर्यसमाज में गौशाला की स्थापना	"	शुक्रवार	२५.१२.१८७८	पौष बदी १५, १९३५
१४७.	देहली में भाषण	"	"	१०.२.१८७९	फागुन बदी ३, १९३५
१४८.	मेरठ से हरिद्वार को प्रस्थान तथा बीच में कई जगह रुके	"	रविवार	१६.२.१८७९	फागुन बदी ७, १९३५
१४९.	हरिद्वार में विश्राम	"	"	३१.३.१८७९	१९३५
१५०.	अस्वस्थ अवस्था में देहरादून को प्रस्थान	"	—	१३.४.१८७९	१९३५
१५१.	सहारनपुर में अल्काट तथा ब्लेवेटस्कि से मिले	"	—	१.५.१८७९	१९३५
१५२.	अल्काट आदि को लेकर मेरठ आये तथा उन्हें बम्बई भेजा	"	—	३.५.१८७९	१९३५
१५३.	मेरठ से प्रस्थान	"	—	२५.५.१८७९	१९३५
१५४.	छलेसर पहुँचे	"	—	२६.५.१८७९	१९३५
१५५.	मुरादाबाद में डा० डीन से इलाज करवाया	"	रविवार	६.७.१८७९	१९३५
१५६.	राजा जयकिशनदास की कोठी में बृहद यज्ञ किया	"	—	२०.७.१८७९	१९३५

क्र० सं०	घटना तथा का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
१५७.	बदायूँ पहुँचे	५४	–	११.७.१८७९	श्रावण सुदी १९३६
१५८.	बरेली में लक्ष्मी नारायण की कोठी पर निवास	"	गुरुवार	१४.८.१८७९	भादों बदी १२ १९३६
१५९.	डी०जी० स्काट पादरी से शास्त्रार्थ	"	सोम० से बुधवार	२५.८ से २७.८.१८७९	१९३६
१६०.	शाहजहाँपुर पधारे	"	–	४.९.१८७९	१९३६
१६१.	लखनऊ में रहे	"	–	२१.९.१८७९	१९३६
१६२.	फर्रुखाबाद में प्रवचन किये	५५	–	१.१०.१८७९	असोज सुदी १०, १९३६
१६३.	कानपुर में रहकर प्रचार किया	"	–	१९.१०.१८७९	१९३६
१६४.	प्रयागराज में ६ दिन तक प्रवचन किये	"	–	२२.१०.१८७९	आश्विन सुदी ८, १९३६
१६५.	मिर्जापुर में पाठशाला का निरीक्षण	"	गुरुवार	२३.१०.१८७९	आश्विन सुदी ९, १९३६
१६६.	दानापुर पहुँचे, ८ दिन तक प्रवचन किये	"	गुरुवार	१०.११ से १८.११.१८७९	कार्तिक सुदी ९, १९३६
१६७.	काशी पहुँचे	"	–	२९.११.१८७९	कार्तिक सुदी ७, १९३६
१६८.	काशी में व्याख्यान पर प्रतिबन्ध	"	शनिवार	२०.१२.१८७९	अगहन सुदी ७, १९३६
१६९.	प्रतिबन्ध हटा, पुनः व्याख्यान आरम्भ	"	रविवार	११.३.१८८०	फागुन सुदी १[illegible] १९३६
१७०.	काशी में आर्यसमाज की स्थापना	"	रविवार	१०.४.१८८०	चैत सुदी १, १९३७
१७१.	लखनऊ होते हुए फर्रुखाबाद पहुँचे	"	–	९.५.१८८०	१९३७
१७२.	फर्रुखाबाद में रहकर प्रचार किया	"	–	१०.५.१८८०	१९३७

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
१७३.	मैनपुरी पहुँचे और प्रवचन किया	५५	-	१.७.१८८०	१९३७
१७४.	मेरठ पहुँचे	"	-	८.७.१८८०	१९३७
१७५.	मुजफ्फरनगर पधारे	५६	बुधवार	१५.९.१८८०	भादों सुदी १२, १९३७
१७६.	कासिम साहब को धन दिया	"	शनिवार	२.१०.१८८०	असौज बदी १३, १९३७
१७७.	मेरठ आर्यसमाज के उत्सव में	"	रविवार	३.१०.१८८०	असौज बदी १४, १९३७
१७८.	देहरादून पहुँचे	"	वृह०	७.१०.१८८०	असौज सुदी ४, १९३७
१७९.	पुनः मेरठ आये	"	-	२१.११.१८८०	१९३७
१८०.	आगरा पहुँचे	"	-	२४.११.१८८०	१९३७
१८१.	आगरा में आर्यसमाज की स्थापना	"	-	२६.११.१८८०	१९३७
१८२.	कई स्थानों पर होते हुए भरतपुर पहुँचे	"	रवि०	२९.३.१८८१	चैत्र सुदी ५, १९३८
१८३.	अजमेर पहुँचे	"	"	५.५.१८८१	वैशाख सुदी ६, १९३८
१८४.	पण्डित लेखराम से प्रथम भेंट	"	शनि०	१६.५.१८८१	ज्येष्ठ सुदी १, १९३८
१८५.	मथुरा में यज्ञ के उपरान्त जनेऊ दिये	"	-	२३.६.१८८१	१९३८
१८६.	रियासत रामपुर (उ०प्र०) से राजस्थान पहुँचे	"	-	१२.८.१८८१	१९३८
१८७.	ब्यावर में कई दिनों तक निवास	"	-	४.९.१८८१	१९३८
१८८.	पुनः मथुरा पधारे और १५ दिन रहे	५७	बुधवार	२१.९.१८८१	असौज बदी १३, १९३८

क्र० सं०	घटना चक्र का विवरण	आयु वर्ष	दिन	दिनांक व सन्	विक्रमी सम्वत् व तिथि
१८९.	कलाहेली-रावला होते हुए २६ ता० को चित्तौड़ पहुँचे	५७	बुधवार	४.१०.१८८१	आश्विन शु० १४, १९३८
१९०.	लार्ड रिपन के दरबार में	"	–	१५.११.१८८१	१९३८
१९१.	इन्दौर पहुँच राजा होलकर नहीं मिले	"	–	२०.१२.१८८१	१९३८
१९२.	अधिवेशन में सम्मिलित होने के लिए बम्बई गये	"	शनिवार	३१.१२.१८८१	पौष सुदी ११, १९३८
१९३.	बम्बई में आर्यसमाज का अधिवेशन	"	सोमवार	२०.३.१८८२	चैत्र सुदी १२, १९३८
१९४.	[illegible] खण्डवा आये	"	शुक्रवार	२३.६.१८८२	आषाढ़ बदी १, १९३९
१९५.	इन्दौर पहुँचे	"	–	४.७.१८८२	१९३९
१९६.	रतलाम में रुके	"	–	७.७.१८८२	१९३९
१९७.	जावरा और मालवा में	"	–	८.७.१८८२	१९३९
१९८.	चित्तौड़गढ़ वापिस	"	मंगल०	२५.७.१८८२	श्रावण सुदी १०, १९३९
१९९.	महाराज उदयपुर के साथ उदयपुर आये	"	–	११.८.१८८२	१९३९
२००.	उदयपुर में व्याख्यान	"	–	८.९.१८८२	भादों बदी ११, १९३९
२०१.	महाराज उदयपुर से वार्तालाप	५८	–	८.१०.१८८२	आसोज बदी ६, १९३९
२०२.	राणा सज्जन सिंह को योग-दर्शन पढ़ाया	"	सोमवार	१३.११.१८८२	कार्तिक शुक्ल ३, १९३९
२०३.	महाराज उदयपुर के यहाँ पुत्र हुआ	"	–	९.२.१८८३	१९३९
२०४.	परोपकारिणी सभा के भाग वसीयत तथा राजा सज्जनसिंह को प्रधान नियुक्त किया	"	मंगल०	२७.२.१८८३	फागुन बदी ५, १९३९
२०५.	शाहपुरा पहुँचे	"	शुक्रवार	९.३.१८८३	फागुन बदी ५, १९३९